THE DEPUTY CHAIRMAN: Whether I am satisfied or dissatisfied^ there r.re only six minutes left. So, we cannot go on with the same question. We have to go to other questions.

बिहार में गांवों का विद्युतिकरण

*263. **श्री जर्नादन यादव** : क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार राज्य के कितने गांवों में विद्युतिकरण हो चुका है,

(ख) क्या बिहार सरकार को इस बात की जानकारी है कि बांका, गोड्डा, देवघर, दुमका, जुमुर आदि जैसे जिलों के गांवों का सिर्फ कागजों पर ही विद्युतिकरण हुआ है, ,

(ग) क्या सरकार के पास इन गांवों का सर्वेक्षण कराने तथा जिन गांवों मे अभी तक बिजली नहीं पहुंची है, उन गांवों का विद्युतिकरण करने की कोई योजना है और,

(घ) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र कुमार भगतराम अलघ) : (क) से (घ) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

(क) उपलब्ध सूचना के अनुसार, मार्च, 1997 के अंत तक बिहार में 47,832 गांवों को विद्युतिकरण घोषित कर दिया गया है ।

(ख) ग्राम विद्युतिकरण स्कीमों को कार्यान्वित करने तथा उनका रखरखाव करना संबद्ध राज्य बिजली बोर्डो की जिम्मेदारी होती है । बीएईबी द्वारा बताए अनुसार इन जिलों में विद्युतिकरण किए गए गांवों की संख्या विवरण-क में दी गई है । (नीचे देखिए)

(ग) ग्राम विद्युतिकरण एक सतत प्रक्रिया है तथा गैर-विद्युतीकृत गांवों का विद्युतिकरण किए जाने के लिए वाणिज्य वास्तविक लक्ष्यों का निर्धारण निधियों की उपलब्धता, राज्य सरकारों की प्राथमिकताओं तथा अन्य आवश्यक निवेशों को ध्यान में रख कर किया जाता है ।

(घ) सन् 2000 ई. के अंत तक शत-प्रतिशत गांवों का विद्युतिकरण कार्य सम्पन्न किए जाने के लिए बिहार सरकार ने 1995-96 में एक योजना तैयार की थी । तथापि, बिहार में शेष गांवों का विद्युतिकरण किया जाना, बीएसईबी के पास निधियों की उपलब्ध्ता तथा अन्य निवेशों पर निर्भर करेगा ।

विवरण- क

बीएसईबी से प्राप्त प्रगति रिपोर्ट के अनुसार मार्च, 1997 के अंत अत बांका, गोड्डा, देवगढ, दुमका, जमुई जिलों के विद्युतिकरण गांवों की संख्या निम्नवत हैं :-

जिला	31.3.97 की स्थिति के अनुसार विद्युतिकरण गांवों की संख्या
भागलपुर	1910
बांका	
गोड्डा	745
देवगढ़	1315
दुमका	1350
मुंगेर	1759
जमुई	

टिप्पणी : बांका तथा जमुई जिलों के विद्युतिकरण गांवों की पृथक-पृथक संख्या उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि इन जिलों को क्रमश: भागलपुर तथा मुंगेर से अलग कर दिया गया है ।

श्री जर्नादन यादव : मैंडम, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि जिस प्रश्न को मैंनें पूछा था, उसका जवाब ही नहीं है ।

विपक्ष के नेता (श्री सिकंदर बख्त) : कोई नई बात है क्या ?

श्री जर्नादन यादव : मैडम मैनें पूछा अपने प्रश्न के (ख) भाग में पूछा था कि क्या बिहार सरकार को इस बात की जानकारी है कि बांका, गोड्डा, देवघर, दुमका, जमुई आदि जैसे जिलों के ग्रामों का सिर्फ कागजों पर ही विद्युतिकरण हुआ है, इसका कोई हुआ है, केंद्रीय कारपोरेशन के द्वारा जो विद्युतिकरण हुआ, उन गांवो मे से अधिकांश गांवो में, 80 प्रतिशत गांवों में बिजली पहुंची ही नहीं और उसकी रिपोर्ट बिहार बिजली बोर्ड को मिल गई, विभाग को मिल गई । अब जब हम लोग जाते हैं कि इन गांवों मे बिजली नहीं है तो वहां के लोग हमें कागज दिखा देते हैं कि इन गांवो में विद्युतिकरण हो चुका है, इसलिए ये गांव नहीं लिए जाएंगे, मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि इन पांच जिलों के गांवों को मैनें पैदल दौरा किया है और देखा है कि वहां गांवों में बिजली ही नहीं हैं और जिन गांवों में बिजली है, 20 प्रतिशत गांवों में, उन गांवों में जो सम्पन्न लोग हैं, उनके घर पर तो बिजली है लेकिन जो उस गांव के छोटे-छोटे टोले हैं, उनमें आज भी बिजली नहीं हैं, 20 प्रतिशत गांवों में और 80 प्रतिशत गांवों में तो विद्युतिकरण ही नहीं हैं । इसलिए मैं जानना चाहता हूं....

उपसभापति : आपके सवाल पर भी रोशनी नहीं पडेगी, जल्दी सवाल पूछ लीजिए ।

श्री जर्नादन यादव : कि जिन गांवों के विद्युतिकरण की सूची ग्रामीण विद्युतिकरण विभाग के द्वारा भेजी गई है, क्या आप उनकी जांच कराएंगे ?

उपसभापति : यादव जी, बैठिए न आप चाहते हैं न कि आपके सवाल पर कुछ रोशनी पड़े तो मंत्री जी को टाइम तो दीजिए, टाईम खत्म हो रहा है

श्री योगेन्द्र कुमार भगतराम अलघ : उपसभापति महोदया, रूरल इलैक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन को जब बिहार का इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड यह इन्फारेमेंशन देता है कि एक गांव इलैक्ट्रिफाई हो गया तो वह उसको इलैक्ट्रिफाई मानते है, लेकिन मुझे यह इन्फारमेंशन अब मिली है, जैसे में ऐसे गांव हैं- दुमका में 110, गोड्डा में 131, देवगढ़ में 84 और बिहार राज्य में 3233, कुछ ऐसे जिलें है, जहां के मुझे आंकडे नहीं मिल पाए क्योंकि जिले का क्षेत्र बदल दिया गया है, जिनमें कि अब यह कहा जाता है कि बिजलीकरण कंपलीट नहीं हुआ । अब उसके कई कारण कहे जाते हैं । एक यह कि 11 केबीए से नीचे बिजली नहीं लेकर गए गांवों में या कुछ गांवों में कुछ सामान की चोरी हो गई । मैं माननीय सदस्य को यह आश्वासन देना चाहूंगा कि रूरल इलैक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन को हमारी सलाह होगी कि वे इसके बारे में एक स्वतंत्र रूप से अध्ययन करवाए कि इसके पूरे फैक्ट्स क्या हैं ? मैं भी इस बात से उतना ही चिंतित हूं जितना कि वे हैं ।

श्री जर्नादन यादव : उपसभापति महोदया, मेरा दूसरा सवाल पूरक प्रश्न यह है कि बिहार में 47,000 गांवों में विद्युतिकरण की आपने सूची दी है, जिनमें से अधिकांश में बिजली नहीं हैं , तो जो गांव बचे हुए हैं उन गांवों में आप कब तक बिजली लगवा देंगे ?

इसी के दूसरे भाग के रूप में मैं जानना चाहता हूं कि जिन गांवों में बिजली है, तार है, खम्भा है, ट्रांसफार्मर नहीं हैं , उन गांवों में ट्रांसफार्मर तार और और खम्भा आप कब तक पहुंचा देंगे ?

उपसभापति : अभी क्वेश्चन अवर खत्म हो गया । आपका तार कट गया मंत्री जी से, आप भले ही खम्भा अपना गाड़े रहिए । अब किसी दूसरे दिन सवाल कीजिएगा ।